**परमाणु ऊर्जा केंद्रीय विद्यालय**

**कक्षा- 6**

**शुल्क मुक्ति हेतु विद्यालय के प्रधानाचार्य को प्रार्थना पत्र**

**पाठ्य सामग्री**

प्रार्थना पत्र लिखने का एक निश्चित प्रारूप होता है , जिसके लिए मुख्य रूप से तीन बिन्दुओं पर ध्यान देना आवश्यक है- प्रारूप, विषय-वस्तु और भाषा।

एक अच्छे प्रार्थना पत्र की कुछ विशेषताएँ होती हैं , जो निम्नलिखित हैं-

1. सरल भाषा-शैली – किसी भी पत्र या प्रार्थना पत्र की भाषा सरल होनी चाहिए। पत्रों में आवश्यकता से अधिक साहित्यिक भाषा का प्रयोग नहीं करना चाहिए।
2. विचारों की सुस्पष्टता – पत्र लिखने वाले को पत्र में अपने विचारों को स्पष्ट रूप से लिखना चाहिए। लिखने का तरीका ऐसा होना चाहिए कि पढ़ने वाले को सरलता से समझ में आए।
3. संक्षिप्तता और संपूर्णता – पत्र बहुत अधिक लंबा नहीं होना चाहिए । लेखक को संक्षेप में ही अपनी सम्पूर्ण बात कह देनी चाहिए।
4. बाहरी सजावट – पत्र का कलेवर अर्थात् उसका बाहरी रूप रंग अच्छा होना चाहिए। लिखावट सुंदर और साफ होनी चाहिए तथा विराम चिह्नों का सटीक प्रयोग होना चाहिए। प्रयास होना चाहिए कि सम्पूर्ण पत्र एक ही पृष्ठ पर लिख लिया जाए।

यहाँ इन सभी बातों को ध्यान में रखते हुये एक प्रार्थना पत्र का उदाहरण दिया गया है, जो निम्नलिखित है-

सेवा में , दिनांक – 19/10/2020

प्रधानाचार्य महोदय,

परमाणु ऊर्जा केंद्रीय विद्यालय

मुंबई

विषय- शुल्क मुक्ति हेतु आवेदन ।

महोदय,

सविनय निवेदन है कि मैं आपके विद्यालय में कक्षा छः का / की विद्यार्थी हूँ।

मेरे पिता जी एक लघु स्तर के व्यापारी हैं। पिछले कुछ महीनों में उन्हें व्यापार में बहुत नुकसान हुआ है , जिसके कारण हमारे परिवार की आर्थिक स्थिति बहुत खराब हो गयी है। इस स्थिति में मेरे लिए विद्यालय का शुल्क देना अत्यंत कठिन है।

अत: श्रीमान से विनम्र प्रार्थना है कि कृपया इस वर्ष मुझे विद्यालय का शुल्क देने से मुक्त करने की कृपा करें। मैं आपका / आपकी हृदय से आभारी रहूँगा / रहूँगी ।

धन्यवाद

आपका / आपकी आज्ञाकारी शिष्य / शिष्या

क ख ग

अनुक्रमांक- 1 (अपना अनुक्रमांक)